दूरभाष : नवांकुर-07594-221066, 223399 डॉल्फिन-222644
Email-nvpbsd_2007@rediffmail.com, www.navankurvidyapeeth.com

अंक : 66, माह-अप्रेल, 2019
निःशुल्क

क्रमशः

नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

वार्षिक अंक 2019

हमारे प्रेरणा-पुरुष
डॉ. विजय शिरढोणकर

कु. मुस्कान ठाकुर
प्राप्तांक 492/500 (98.4%)
राज्य में चौथा स्थान

मनु साहू
प्राप्तांक 492/500 (98.4%)
राज्य में चौथा स्थान

सिफुल राजपूत
प्राप्तांक 489/500 (97.8%)
राज्य में सातवाँ स्थान

कु. मोना दाँगी
प्राप्तांक 486/500 (97.2%)
राज्य में दसवाँ स्थान

कु. कीर्ति रघुवंशी
प्राप्तांक 484/500 (96.8%)
जिले में प्रथम स्थान

सुमित शर्मा
प्राप्तांक 483/500 (96.6%)
जिले में द्वितीय स्थान

नवांकुर विद्यापीठ के बच्चों ने रचा इतिहास

मा.शि.मं. द्वारा आयोजित हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा - 2018 में

राज्य प्रावीण्य सूची में विद्यालय के चार बच्चों ने उल्लेखनीय स्थान प्राप्त कर नगर को गौरवान्वित किया

राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन

श्रेया शिरढोणकर
शतरंज
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

टीसा तिवारी
शॉटपुट थ्रो (एथलेटिक्स)
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

तनु शर्मा
लाँग जम्प (एथलेटिक्स)
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

श्रृष्टि तिवारी
हैमर थ्रो (एथलेटिक्स)
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

शशांक जाटव
ताईक्वांडो
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

निहारिका पाठक
N.C.S.C.
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

जया श्रीवास
N.C.S.C.
राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी

मा.शि.मं. द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा - 2018

नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की वार्षिक परीक्षा में ९०% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्रायें

हायर सेकण्डरी

हर्षवर्द्धन जादौन
467/500 (93.4%)

विकास कुमार दुबे
466/500 (93.2%)

कु. चंचल दुबे
463/500 (92.6%)

कु. सोनम रघुवंशी
455/500 (91%)

कु. चंचल शर्मा
455/500 (91%)

कु. मुस्कान दाँगी
454/500 (90.8%)

सलोनी रघुवंशी
454/500 (90.8%)

हाईस्कूल

कु. स्नेहा रघुवंशी
478/500 (95.6%)

राजीव रघुवंशी
477/500 (95.4%)

कु. पूनम रघुवंशी
476/500 (95.2%)

कु. प्रार्थना लोधी
476/500 (95.2%)

कु. शेख राफिया
475/500 (95%)

कु.शिवानी दाँगी
473/500 (94.6%)

कु. शिवानी रघुवंशी
468/500 (93.6%)

कु. निशा साहू
467/500 (93.4%)

कु. अंजलि रघुवंशी
467/500 (93.4%)

कु. स्वाति रघुवंशी
466/500 (93.2%)

कु. मनीषा राजपूत
466/500 (93.2%)

सत्यम दाँगी
464/500 (92.8%)

कुलदीप दाँगी
464/500 (92.8%)

कु. सीमा सौजन्य
463/500 (92.6%)

कु. सिमी दाँगी
462/500 (92.4%)

कु. शिवानी रघुवंशी
461/500 (92.2%)

राहुल मीना
461/500 (92.2%)

कु. रिमझिम दाँगी
460/500 (92%)

राजा रघुवंशी
458/500 (91.6%)

कु. साक्षी रघुवंशी
458/500 (91.6%)

मुस्कान मालवीय
457/500 (91.4%)

रमन चौरसिया
457/500 (91.4%)

कु. साक्षी कुशवाह
455/500 (91%)

कु. खुशी बघेल
455/500 (91%)

शैलेन्द्र रघुवंशी
453/500 (90.6%)

कु. चंचल रघुवंशी
452/500 (90.4%)

कु. आरती राजपूत
452/500 (90.4%)

कु. खुशी यादव
450/500 (90.0%)

सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई

प्रतिष्ठा में,

Nitin Printers-9827274800

पता-नवांकुर भवन, बरेठ रोड, गंजबासौदा, जिला-विदिशा (म.प्र.) दूरभाष : 07594-221066
website : www.navankurvidyapeeth.org, email: nvpbsd_2007@rediffmail.com

नवांकुर

साँची में संपन्न राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी में कु. आस्था रघुवंशी हुई पुरस्कृत

विभिन्न विधाओं में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों का दल

गणतन्त्र दिवस समारोह में नवांकुर दल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

DOLPHIN

खेलों में राज्य स्तर पर चयनित

चित्रांशी श्रीवास्तव हाईस्कूल परीक्षा में डॉल्फिन में प्रथम

विज्ञान एवं पर्यावरण प्रदर्शनी में राज्य स्तर पर चयनित

एम.पी.टूरिज्म प्रश्नमंच में राज्य स्तर पर चयनित

विभिन्न विधाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी

पी.सी.आर.ए. में राज्य स्तर पर चयनित

बालरंग में राज्य स्तर पर चयनित

नवांकुर-डॉल्फिन के स्काउट राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित विद्यार्थी

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो,

क्रमशः का एक और अंक आपके हाथों में है। आशा है आप सभी को पसन्द आयेगा; क्रमशः का अर्थ है, निरन्तर बढ़ना और नवांकुर इस उक्ति को चरितार्थ कर रहा है। नवांकुर के छात्र हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। नवांकुर का सदा यही प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो, उनमें नवाचार को विकसित किया जाये। सकारात्मक सोच के साथ सही दिशा में बढ़कर अपना भविष्य सँवारो, परन्तु विद्यार्थी–वर्ग में एक ऐसा वर्ग भी है, जो प्रयास तो करता है, परन्तु उसे आशातीत सफलता नहीं मिल पाती और वह मायूस होकर कई बार प्रयास करना छोड़ देता है और यह मान बैठता है कि मैं यह नहीं कर सकता, फलस्वरूप दो वर्गों का निर्माण हो जाता है। भगवान् ने सभी को कुछ–न–कुछ विशेष क्षमताएँ दी हैं; परन्तु जरूरत है, तो बस पहचानने की। उन्हें पहचानें और पुनः प्रयास करें आप भी उस श्रेणी में शामिल हो सकते हैं, जिन्हें लोग विशिष्ट के नाम से जानते हैं, क्योंकि किसी साहित्यकार ने भी लिखा है –

होके मायूस न हो, शाम–से ढलते रहिये,
जिंदगी भोर है, सूरज–से निकलते रहिये,
एक पैर भी ठहरोगे तो थक जाओगे,
धीरे–धीरे ही सही, पर राह पर चलते रहिये।

विशेष योग्यता धारण करने वाले कुछ अलग नहीं होते हैं, वह हममें से एक होते हैं। वह आत्मप्रेरित होते हैं, उन्हें किसी के कहने की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें खुद ही मालूम होता है कि हमें क्या और कैसे करना है? क्या हमारे लिए अच्छा है, क्या बुरा? इसलिए अपने अन्दर सद्गुणों को विकसित होने दीजिए। बुराइयाँ खुद–ब–खुद अपना स्थान छोड़ देगी और बुराइयों के जाते ही आप अपने लक्ष्य को हासिल कर पाओगे।

मित्रों का चयन, जीवन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि जैसे हमारे मित्र होते हैं, वैसे ही हमारे विचार होते हैं। एक लेखक का मित्र लेखक, खिलाड़ी का मित्र खिलाड़ी, मेधावी का मित्र मेधावी, चोर का मित्र चोर ही बनता है, अब यह आपके हाथों में है कि आप अपने को क्या बनाना चाहते हैं? इसलिए अपने शिक्षकों अपने माता–पिता की बातों पर अमल करना सीखें, समय का सदुपयोग करना सीखें, अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और भरसक प्रयास करें, क्योंकि –

लकीरें अपने हाथों की, सभी को आप पढ़नी है,
खुद अपने हाथों से, कहानी आप गढ़नी है।
न कोई साथ देगा, जिन्दगी में कोई साहिल,
यहाँ हर शख्स को अपनी लड़ाई आप लड़नी है।

प्रधान सम्पादक
संदीप रावत

प्राचार्य की कलम

प्रिय छात्र–छात्राओ व पाठको,

क्रमशः का अंक आपके सामने है। क्रमशः का आवरण पृष्ठ इस बात का साक्ष्य है कि हमारा नवांकुर न केवल जिला, संभाग, राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सफलता का परचम लहरा रहा है। चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र, खेलों का क्षेत्र हो, साहित्यिक–सांस्कृतिक क्षेत्र हो या फिर अध्ययन का क्षेत्र हो, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जो नवांकुर से अनछुआ रहा गया हो। सफलता का ग्राफ दिन–ब–दिन चरमोत्कर्ष पर है। इसके लिए मैं सभी शिक्षक साथियों व अभिभावकों का शुक्रगुजार हूँ क्योंकि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे इनका भी गहन योगदान है। अच्छे संस्कार, अच्छी विचारधारा, नैतिक मूल्य व संस्कार ही विद्यार्थियों के चरित्र–निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं, जिनका निर्माण शिक्षक, अभिभावक व विद्यार्थी तीनों मिलकर कर सकते हैं। एक अच्छा विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना बेहतर देने का प्रयास करता है। फलस्वरूप वह समाज के लिए भी महत्वपूर्ण बन जाता है। आज विद्यार्थियों में जिस महत्त्वपूर्ण चीज की आवश्यकता है, वह उसके नैतिक मूल्य ही हैं; क्योंकि यही वह पूँजी है, जो हर समय उसके साथ मिलकर उसे प्रेरित करने का प्रयास करती है। आत्मप्रेरणा व स्वचिन्तन का विकास ही बच्चे के बेहतर भविष्य का निर्माण करता है, परन्तु इसके लिए आने वाली पीढ़ी में संस्कार के बीज बोना नितान्त आवश्यक है। कठिन परिस्थितियाँ, श्रम व अथक परिश्रम ही विद्यार्थियों को सफलता की कसौटी पर कसने में सक्षम हो सकता है–

जो कुछ चाहो, बीज उसी के बोना बहुत जरूरी है,
कुछ पाने से पहले, कुछ खोना बहुत जरूरी है।
फूल खुशी के पाना है, तो काँटों से भी प्यार करो,
दुनिया में हँसने से पहले, रोना बहुत जरूरी है।

सफलता के लिए श्रम की पूँजी अनिवार्य है। यह बात हमारे विद्यालय परिवार अभिभावकगण व स्वयं विद्यार्थियों की भी समझ में होनी चाहिए। आज की युवा पीढ़ी को भटकने से बचाना होगा। अनुशासनहीनता, कुसंगति, नशाखोरी, अज्ञानता जैसी सामाजिक बुराइयों को पनपने से बचाना होगा, तभी हम आने वाले समय में अपनी युवा पीढ़ी पर गर्व कर सकेंगे।

सफलता अर्जित करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुनः बधाई! वे इसी तरह की सफलताएँ अर्जित करते रहें और विद्यालय, परिवार, जिले, प्रदेश का नाम रोशन करते रहें, क्योंकि –

व्यर्थ तारीफ का सलीका, बहुत बड़ी भूल है,
खुशबू खुद ही बता देती है कि वह किस बगिया का फूल है।

प्राचार्य
शैलेन्द्र दीक्षित

मुख्यमन्त्री मेधावी छात्र–प्रोत्साहन–योजना में नवांकुर के 104 विद्यार्थी सम्मिलित

मुख्यमन्त्री मेधावी छात्र–प्रोत्साहन–योजना के अन्तर्गत नवांकुर के 104 विद्यार्थियों को 25–25 हजार की राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है के पूर्व में इस योजना के अन्तर्गत हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 85 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को यह राशि प्रदान की जाती थी, किन्तु वर्ष 2018 में इस योजना में 75 प्रतिशत या अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों को शामिल कर लिया गया है। इस प्रकार नवांकुर के 40 छात्रों को प्रथम चरण में तथा 64 छात्रों को द्वितीय चरण में यह राशि प्रदान की गई है। इस प्रकार नवांकुर के कुल 104 विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ इस वर्ष मिला है। विद्यालय परिवार की ओर से सभी सफल छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएँ।

उपलब्धियाँ

दसवीं बोर्ड की राज्य मेरिट सूची में नवांकुर विद्यापीठ के छात्रों का दबदबा

xtckl knkA ek/;fed f'k{kk eMy }kjk ?kkf"kr ckM ijh{kk ifj.kke e nloh ckM e LFkkuh; lLFkk uokdj fo|kihB d 4 Nk=k u jkT; ikoh.; lph e prFk] llre ,o n'ke LFkku ikIr fd;kA lkFk gh 2 Nk=k u ft yk ikoh.; lph e iFke ,o f}rh; LFkku ikIr fd;kA

d- eLdku Bkdj i=h Jh ckcflg Bkdj u 492 o eu lkg i= Jh ct'k jk'ku lkg u 492 vd ikIr dj prFk LFkku] flQy jktir i= Jh juohjflg jktir u 489 vd ikIr dj llre LFkku ,o d- ekuk nkxh i=h Jh cyohjflg nkxh u 486 vd ikIr dj n'ke LFkku ikIr fd;kA lkFk gh ft yk ikoh.; lph e d- dhfr j?ko'kh i=h Jh ohjflg j?ko'kh u 484 vd ikIr dj iFke ,o lfer 'kek i= Jh uj'k 'kek u 483 vd ikIr dj f}rh; LFkku ikIr fd;kA

fo'k"k mYy[kuh; g fd foxr o"k Hkh lLFkk dh ,d Nk=k u jkT; ikoh.; lph e nlok LFkku ikIr fd;k FkkA bl idkj yxkrkj nk o"kk l uokdj d Nk= jkT; ikoh.; lph e viuk ncnck cuk; g; gA

fo|ky; Lrj ij gk;j ld.Mjh xf.kr ldk; e fodkl dekj nc 466 vd ikIr dj iFke] d- ppy nc u 463 vd ikIr dj f}rh;] d- eLdku nkxh u 454 vd ikIr dj rrh;] thofoKku ldk; e d- lkue j?ko'kh u 455 vd ikIr dj iFke] d- T;kfr xIrk u 449 vd ikIr dj f}rh;] d- j{kk j?ko'kh u 445 vd ikIr dj rrh;] okf.kT; ldk; e d- ppy 'kek u 455 vd ikIr dj iFke] d- lykuh j?ko'kh u 454 vd ikIr dj f}rh;] d- f'kokuh Hknkfj;k u 467 vd ikIr dj rrh; LFkku ikIr fd;kA vxth ek/;e e g"ko)u tknku u 467 vd ikIr dj iFke] g"ko)u frokjh o d- iKk jktir u 447 vd ikIr dj f}rh;] d- Lokfr ;kno o ueh"kk ykM u 444 vd ikIr dj rrh; LFkku ikIr fd;kA bl idkj gk;j ld.Mjh ckM ijh{kk e dy 233 Nk=k e l 192 Nk= iFke J.kh ,o 30 Nk= f}rh; J.kh e mRrh.k g, ,o 95-27 ifr'kr Nk= lQy jgA

lkFk gh gkbLdy dh ckM ijh{kk e dy 181 Nk=k e l 127 iFke] 43 Nk= f}rh; o 4 Nk= rrh; J.kh l mRrh.k g, ,o 96-13 ifr'kr Nk= lQy jgA

Nk=k dh miyfC/k ij fo|ky; ifjokj u c/kkb ,o 'kHkdkeuk, nh gA

उपलब्धियाँ

ऐथलेटिक्स में डॉल्फिन की तनु शर्मा ने गोल्ड मेडल जीता

ckSlknk uxj d fy, cM g"k ,o xkjo dk fo"k; g fd uxj d M,fYQu Ldy dh Nk=k dekjh ru 'kek i=h Jh fot ; 'kek u y,Ux ti ¼,FkyhV½ dh jkT; Lrjh; çfr;kfxrk e 4-96 ehVj dh Nykx yxkdj] çFke LFkku ikIr djd xkYM eMy çkIr fd;kA ;g çfr;kfxrk fnukd 12 l 15 vDVcj rd Hkkiky d Vh-Vh-uxj LVfM;e e vk;kftr dh xÃA bl çfr;kfxrk e M,fYQu dh 3 Nk=kvk u Hkkx fy;kA Vhlk frokjh u gej Fkk e o dk;uk frokjh u 'k,ViV e mRd"V çn'ku fd;kA

fo|ky; ifjokj u ru 'kek vkj mld vfHkHkkodk dk cèkkÃ ndj mld mTtoy Hkfo"; dh dkeuk dh gA

विज्ञानमंथन यात्रा के लिए नवांकुर/ डॉल्फिन के 21 छात्रों का चयन

foKku d {k= e Nk= Nk=kvk dk çfjr dju d mí'; l eè; çn'k foKku ,o çk|kfxdh ifj"kn }kjk vk;kftr foKku eFku ;k=k d fy, uokdj d

18 Nk= o M,fYQu d 3 Nk=k dk p;u fd;k x;k gA p;fur Nk=k uokdj d d{kk 8 l lR;e c?ky] d- lgkuh ifjgkj] d- vk'kh j?ko'kh] d- iue j?ko'kh] d{kk 9 l lR;e 'kek] d- vu"dk 'kek] fuf[ky c?ky] vkdk'k frokjh] d- fcik'kk nkxh o d- o".koh jktir] d{kk 10 l d- 'kku nkxh] d{kk 11 l lfer 'kek] eu lkg] d- eLdku Bkdj o jkdho j?ko'kh] d{kk 12 l ,'o; Mkxj] d- ppy 'kek o d- ru Bkdj ,o MkfYQu d d{kk&8 d 'k'kkd tkVo] d- jhfrdk pk/kjh] d- dfu"d fjNkfj;k lfEefyr gA

mi;ä Nk=&Nk=k, fnukd 5 l 14 vDVcj d chp vgenkckn] i.k] ngjknu] gnjkckn d çfl) oKkfud LFkkuk] ç;kx'kkykvk o o|'kkykvk dk Hke.k djxA mYy[kuh; g fd fiNy 12 o"kk l yxkrkj foKku ,o çk|kfxdh foHkkx }kjk bl ;k=k dk vk;kstu fd;k tk jgk gA 625 Nk=k dk p;u bl ;k=k d fy, efjV fyLV d vkèkkj ij gkrk gA ;k=k mijkUr Nk=k dk p;u ,d ijh{kk d vkèkkj ij f'k";ofÙk d fy, fd;k tkrk gA

fty e chr 12 o"kk e lokfèkd Nk=k dk p;u uokdj fo|kihB d Nk=k dk gvk gA fo|ky; ifjokj dh vkj lHkh p;fur Nk=k dk gkfnd 'kHkdkeuk,A

उपलब्धियाँ

नवांकुर व डॉल्फिन के 9 छात्रों का चयन राज्य स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता के लिए किया गया

uokdj d 3 Nk=k dekjh fp=k'kh JhokLro d{kk 11 ¼rkRdkfyd Hkk"k.k½] vfdr vfgjokj d{kk 7 o lE;d tu d{kk 8 nkuk ¼ç'uep½ rFkk M,fYQu d 6 Nk=k èko jk; d{kk 10] dekjh fugkfjdk ikBd d{kk 9 ¼okn&fookn½ ofj"B ox] f'kok'k j?ko'kh d{kk 8] dekjh vouh tu d{kk 7 ¼oknfookn½ dfu"B ox] Ã'kku nc d{kk 8 ¼rkRdkfyd Hkk"k.k½ rFkk dekjh vfcdk j?ko'kh d{kk 7 ¼Lojfpr dk0; ikB½ e bu lHkh Nk=k dk jkT; Lrjh; ckyjx çfr;kfxrk d fy, p;u fd;k x;kA

lHkkx Lrjh; ckyjx çfr;kfxrk dk vk;kt u 'kkldh; egkjkuh y{eh ckÃ dU;k mPprj ekè;fed fo|ky; cj[kMk Hkkiky e fd;k x;kA ft le uokdj d 5 rFkk M,fYQu d 6 Nk=k u Hkkx fy;kAmi;ä lHkh 9 Nk=k u bl çfr;kfxrk e çFke LFkku çkIr fd;kA

उपलब्धियाँ

राज्य स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में नवांकुर/डॉल्फिन के 5 छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

jkT; Lrjh; ckyjx çfr;kfxrk dk vk;kt u Hkkiky d bfnjk xkèkh ekuo lxgky; e fd;k x;k] ft le uokdj@M,fYQu d 13 Nk=k u Hkkx fy;k] ftue 5 Nk=k u çFke LFkku çkIr fd;kA uokdj dh Nk=k dekjh lkèkuk foÜodek d{kk 12 vklu] vfdr vfgjokj d{kk 7 vkj lE;d tu d{kk 8 ç'u ep] dekjh j{kk 'kek d{kk 8 fucèk rFkk M,fYQu dh dekjh vfcdk j?ko'kh d{kk 7 u Lojfpr dk0; ikB e çFke LFkku çkIr fd;kA mijkDr lHkh Nk=k dk VkQh vkj çek.k i= çnku fd, x,A bu Nk=k dh miyfCèk e fo|ky; d f'k{kd Jh okIno 'kek vkj lJh lhek lk/k rFkk

M,fYQu d f'k{kd Jh vkn'k [kj dk egRoi.k ;kxnku gA fo|ky; ifjokj u lHkh fotrk Nk=k dk cèkkÃ vkj 'kHkdkeuk, nh gA

श्रद्धांजलि

हमारे विद्यालय के आचार्य **श्री सुनील श्रीवास्तव**, वरिष्ठ कार्यालय अधीक्षक का विगत दिनों देहावासान हो गया। विद्यालय परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

हमारे विद्यालय के रसायन शास्त्र के व्याख्याता श्री रविकान्त चतुर्वेदी की पूज्यनीय माताजी का विगत दिनों देहावसान हो गया। विद्यालय परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

उपलब्धियाँ

नवांकुर संगीत विद्यालय के छात्रों ने बिखेरा स्वरों का जादू

uxj ikfydk ifj"kn }kjk vk;kftr Jh jkeyhyk eyk o"k&2018&2019 lk j xk ek çfr;kfxrk Qkbuy jkmM lhfu;j ox e uokdj lxhr fo|ky; dh Nk=k d- Hkkouk foÜodek u çFke LFkku rFkk d- nh{kk tu lxhr fo|ky; dh io Nk=k u f}rh; LFkku çkIr fd;kA

tfu;j ox e jtr tu d{kk&12 uokdj ¼xk;u prFk o"k½ u çFke LFkkuvkj d- fç;k ifjgkjd{kk &4 uokdj ¼xk;u prFk o"k½u f}rh; LFkku rFkk vfudr oek ¼xk;u f}rh; o"k½u rrh; LFkku çkIr fd;kA

lkjxkek d vfre pj.k tfu;j ox e 8 çfrHkkxh FkA lHkh çfrHkkxh uokdj lxhr fo|ky; e xk;u dh vyx&vyx d{kkvk e 'kke 5%00 l 7%00 ct mifLFkr gkdj lxhr f'k{kk çkIr djr gA jtr tu ¼xk;u prFk o"k½] ugk xlrk ¼xk;u ipe o"k½] fç;k ifjgkj ¼xk;u prFk o"k½] d- vkLFkk nc] d- nok'kh j?ko'kh ¼xk;u "k"Ve o"k½] d- vkKk nc ¼xk;u "k"Ve o"k½] d- ik'kh tu ¼xk;u rrh; o"k½ rFkk vfudr oek ¼xk;u f}rh; o"k½ e vè;;ujr gA

lhfu;j ox e dekjh Hkkouk fo'odek u çFke LFkku çkIr fd;k ;g uokdj lxhr fo|ky; e xk;u "k"Ve o"k e fu;fer :i l lxhr f'k{kk çkIr dj jgh gA lkjxkek çfr;kfxrk tfu;j ox d lHkh fo|kFkÊ uokdj lxhr fo|ky; e lxhr f'k{kk çkIr dj jg gA fo|ky; ifjokj u lHkh lQy Nk=k dk cèkkÃ vkj 'kHkdkeuk, nh gA

उपलब्धियाँ

नवांकुर व डॉल्फिन के 14 मॉडल्स संभाग स्तरीय प्रदर्शनी के लिए चयनित

ftyk Lrjh; foKku] xf.kr o i;koj.k çn'kuh dk vk;kstu fofn'kk d mRd"V fo|ky; e fnukd 25-10-2018 dk fd;k x;k bl in'kuh e uokdj d 7 ekMYl o MkfYQu d 7 ekMYl ,d foKku ukfVdk o ,dy xk;u iLrr fd;k x;k ftue l uokdj d Nk= vk;"k cjkxh] d- ek/kjh jkt] d- f'kokuh 'kek] fodkl nkxh d- vkLFkk j?ko'kh vkj ger j?ko'kh d e,MYl dk p;u lHkkx Lrjh; çfr;kfxrk d fy, fd;k x;k gA blh çdkj M,fYQu d mRd"k fnokdj] lfpu deh] vfojy voLFkh] d- lk{kh pronh] vfue"k ukeno o nok'k pkjfl;k d e,MYl o g"k tu] lehj ekFkj] vfHkuo tu] l{ke tu] Hk0;k nc] fn0;k'kh feJk] ekleh pkdl] U;klk 'kek }kjk iLrr foKku ukfVdk rFkk nok'kh j?ko'kh] vuU; nhf{kr o o".koh lkuh }kjk iLrr i;koj.k xhr dk p;u lHkkx Lrjh; in'kuh d fy, fd;k x;k gA mi;Dr Nk=&Nk=kvk dk uokdj d Jh ;rUn cMkfu;k o Jh jktUn l;o'kh rFkk MkfYQu dh f'kf{kdk Jherh jf'e idk'k o Jherh bUn feJk u viuk ekxn'ku ndj Nk=k dh lQyrk e egRoi.k ;kxnku fn;kA uokdj o M,fYQu fo|ky; ifjokj u in'kuh d fy, p;fur lHkh Nk=&Nk=kvk dk c/kb o 'kHkdkeuk, nh gA

उपलब्धियाँ

बालरंग में नवांकुर व डॉल्फिन के 16 छात्र संभाग स्तर के लिए चयनित

ftyk Lrjh; ckyjx mRlo dkvk;ktu 26 vDVcj dk fofn'kk d mRd"V fo|ky; e fd;k x;k ftle uokdj o M,fYQu d 20 Nk=k u fofHkUu çfr;kfxrkvk e Hkkx fy;kA ftue l uokdj o M,fYQu d 16 Nk=k dk p;u lHkkx Lrj d fy, fd;k x;kA p;fur Nk=k e uokdj l ofj"B ox e&d-vkLFkk nc dfork ikB e] d- fp=k'kh JhokLro rkRdkfyd Hkk"k.k e] d- vu"dk 'kek fucèk y[ku e] d- lkèkuk foÜodek ;kx e rFkk dfu"B ox l d-m"kk ;kno ly[k e] vfdr vxoky o lE;d tu ç'u ep e rFkk dekjh j{kk 'kek fucèk y[ku e çFke LFkku ij jghA M,fYQu l ofj"B ox e d-lkue eh.kk fucèk e] d- vfcdk j?ko'kh Lojfpr dk0;ikB e] d- vofu tu o f'kok'k j?ko'kh okn&fookn e] Ã'kku nc rkRdkfyd Hkk"k.k e] dfu"d 'kek lxe lxhr e rFkk dfu"B ox e /ko jk; o d-fugkfjdk ikBd u okn&fookn çfr;kfxrk e çFke LFkku gkfly fd;kA mijkä lHkh Nk=k dk p;u lHkkx Lrjh; cky jx mRlo çfr;kfxrk d fy, fd;k x;kA fo|ky; d f'k{kd okl no 'kek o M,fYQu dh f'kf{kdk l Jh uhr ykèkh u Nk=k dk egRoi.k ekxn'ku çnku fd;kA fo|ky; ifjokj u p;fur Nk=k dk cèkkÃ o 'kHkdkeuk, nh gA

अनुशासन के नियम

बड़े जनों का आदर करना।
कभी किसी को तंग न करना।।
कभी बड़ों की हँसी न करना।
कभी न किसी से लड़ना-झगड़ना।।1।।
रास्ते पर दिल्लगी न करना।
छूकर कभी मजाक न करना।।
सदा गुरु का आदर करना।
काना-फूसी भी मत करना।।2।।
गुरु का कभी मजाक न करना।
नहीं सभा में बड़-बड़ करना।।
ज्यादा बक-बक कभी न करना।
टोका-टोकी अधिक न करना।।3।।
चुगली निंदा से तुम डरना।
नख दाँतों से नहीं कुतरना।।
भाई-बहिनों से मत तुम लड़ना।
नहीं अन्य को लड़ने देना।।4।।
जरा-जरा में कभी न अकड़ना।
दो के बीच कभी मत पड़ना।।
गुरु की कभी गलती न समझना।
अनुशासन का पालन करना।।5।।

-सत्यम भंडारी, कक्षा-12 (कृषि)

उपलब्धियाँ

नवांकुर डॉल्फिन की सात छात्राओं को सम्मानित किया गया

efgyk ,o ckyfodkl foHkkx }kjk jk"Vh; ckfydk fnol d miy{; e uokdj o M,fYQu dh 7 Nk=kvk dk lEekfur fd;k x;kA bu Nk=kvk u fofHkUu {k=k e jk"Vh; Lrj ij miyfC;k çkIr dh vkj fty dk uke xkjokfUor fd;kA ; Nk=k, g [ky d {k= e jk"Vh; Lrj ij lQyrk gkfly dju okyh dekjh J;k f'kj<k.kdj d{kk 12 M,fYQu dh dekjh fu'kk frokjh d{kk 10 dekjh ru 'kek d{kk 9A foKku d {k= e jk"Vh; cky foKku dkxl e jk"Vh; Lrj ij lgHkkfxrk dju okyh M,fYQu dh Nk=k dekjh fugkfjdk ikBd dekjh t;k Jhokl rFkk f'k{kk d {k= e eè;çn'k e gkbLdy ijh{kk 2018 eprFk LFkku çkIr dju okyh uokdj dh Nk=k dekjh eLdku Bkdj rFkk nlok LFkku gkfly dju okyh dekjh ekuk nkxh 'kkfey gA

mi;ä Nk=k, Jh fot; 'kek d urRo e fofn'kk igph] tgk tkykjh xkMu e vij dyDVj ,o fty k efgyk ,o cky fodkl vfèkdkfj;k }kjk 'khYM ,o çek.ki= çnku dj mudk lEeku fd;k x;kA uokdj ,o M,fYQu fo|ky; ifjokj u g"k 0;ä djr g, Nk=kvk dk cèkkÃ vkj 'kHkdkeuk, nh gA

राष्ट्रीय कला उत्सव-2018 में नवांकुर के 'कठपुतली रामायण' दल के मंचन से दर्शक मंत्रमुग्ध

उपलब्धियाँ

जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में नवांकुर डॉल्फिन के शिक्षक व विद्यार्थी सम्मानित

lkotfud okpuky; ,o iLrdky; }kjk v'khfrre½ egkRlo ¼80 oh o"kxkB½ d volj ij vk;kftr lkekU; Kku fDot ifr;kfxrk d lhfu;j ox e ,l-,-Vh-vkb- d dr'k jktir] lt;flg ijekj iFke] lkdr f'k'k jtu Ldy dh leu ehuk] vujkx 'kek f}rh; rFkk ,l-,-Vh-vkb- d gh vujkx vxoky] uhjt fp<kj] rrh; LFkku ij jgA lkRouk ijLdkj vkLFkk nc] ekfgr Hkkxo] dfiy 'kek] vfHk"kd j?ko'kh] i|Eu] fo'kky itkifru thrA

tfu;j ox e MkfYQu Ldy xtcklknk d /ko jk;] g"k tu iFke] lkdr ,e-th-,e- d g"k lkg] fu'kkr frokjh f}rh; rFkk mfnr dfV;kj o fjfrdk nkrkj rrh; jgA lkRouk ijLdkj v#f.kek okfj;j] Lugk f'kojktu] vfer lkg] fnokdj jktkfj;k] pru tkfj;k] foØkr d'kokg dk feyA fDot dh fo'k"kK lfefr e ,MokdV xkfoUn nofy;k] jk[kh >k] ltho lkg] uhr lkgo Mk- jf'e tu mifLFkr FkA

f'k{kdk d fy, vk;kftr okfXerk ifr;kfxrk e loJ"B oDrk dk iFke ijLdkj lkdr f'k'k jtu dh T;kfr fljHk;k dk feykA uokdj fo|kihB xtcklknk d lnhi jkor u f}rh; ,o 'kEHkflg j?ko'kh u rrh; LFkku ikIr fd;kA lkRouk ijLdkj jktdekjh dkjh] T;kfr p<Mk ,o ân'k pronh u ikIr fd;kA fVfuVh dkUoV dh J)k mijhr dk fo'k"k ijLdkj l uoktk x;kA ifr;kfxrk e fu.kk;d dh egrh Hkfedk Mk- d-Mh-feJk] 'kf'k lDluk rFkk 'kf'k cly u fuHkkbA e[; dk;Øe ckf)d okrk rFkk ijLdkj forj.k 31 tuojh 2018 dk gvkA ftle e[; vfrfFk dfo dFkkdkj ,o vkykpd lrk"k pkc] okbl&pklyj vkblDV fo'ofo|ky; rFkk fof'k"V vfrfFk lifjfpr ;ok dfo jkx ryx jgA lHkh fotrkvk dk ijLdkj iLrdk d #i e inku fd; x;A

गणतंत्र दिवस पर प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का नवांकुर में पूर्व प्रस्तुतिकरण किया गया

uokdj fo|kihB e vkt fnukd 24 &01&2019 dk fo|ky; çkx.k e yky ijM xkmM ij x.kr= fnol d volj ij çLrr fd, tku oky dk;Øek dk io çLrrhdj.k fd;k x;kA bl vk;ktu e uxj d xkiky vkn'k gkÃLdy] jkbçtx ifCyd Ldy] 'kkldh; dU;k mPprj ekè;fed fo|ky;] 'kkldh; mRd"V mPprj ekè;fed fo|ky;] lV ,l-vkj- ,l-Ldy] Hkkjr ekrk d,UoV] Ld,yj ifCyd Ldy] jktho eekfj;y] uokdj mPprj ekè;fed fo|ky;] Ldy v,Q ,Dlhyl] 'kkldh; dU;k mPprj ekè;fed fo|ky; d yxHkx 550 Nk=k u viu viu dk;Øe çLrr fd,A

bl volj ij fo|ky; e rglhynkj Jherh ljkt çlg ifjgkj] mRd"V çkpk; Jh Kkuçdk'k Hkkxo] ,lth,l d,yt d çkQlj Jh ef.kekgu egrk rFkk uokdj d çkpk; Jh 'kyæ dekj nhf{kr mifLFkr FkA lHkh dk;Øe mRd"V nt d Fk] ftUg n[kdj n'kdk u Hkfj&Hkfj ç'klk dhA bu lHkh fo|ky;k d dk;Øek dk x.kr= fnol d fnu yky ijM xkmM ij çLrr fd;k x;kA Jh 'kyæ dekj çixy u dk;Øe dk lpkyu fd;kA

नवांकुर विद्यापीठ में 1659 छात्रों का खसरा और रूबैला रोकथाम टीकाकरण किया गया

[kljk vkj :cyk Vhdkdj.k vfHk;ku 2019 d vrxr vkt uokdj mPprj ekè;fed fo|ky; e M,DVj egæ çlg ckt kfj;k dh mifLFkfr e fo|ky; d f'k'k d{kk l ydj gkbLdy rd d 1659 Nk= Nk=kvk dk Vhdkdj.k fd;k x;kA bl Vhdkdj.k vfHk;ku e 9 ekg l 15 o"k rd dh vk; d lHkh cPpk dk Vhdk yxk;k x;kA

mYy[kuh; g fd ykd LokLF; ,o ifjokj dY;k.k foHkkx eè;çn'k 'kklu dh vkj l fnukd 15 tuojh 2019 l [kljk vkj :cyk Vhdkdj.k vfHk;ku 'k: fd;k x;k gA ftle 9 ekg l 15 o"k rd dh vk; d lHkh cPpk dk Vhdk yxk;k tkuk g rkfd [kljk :cyk tlh ?kkrd chekfj;k l cPpk dk ljf{kr fd;k tk ld bl vfHk;ku d rgr vk;ktu uokdj fo|kihB e M,- egæ ckt kfj;k d urRo e 9 Vhdkdj.k ny rFkk QkeflLV idt 'kek] Jh xkçon çlg rFkk Vhoh VfDuf'k;u Jh ujæ çlg fo|ky; e çkr% dky l gh mifLFkr FkA bl vfHk;ku d rgr f'k'k d{kk l ydj d{kk nl rd d lHkh fo|kFk;k dk vyx&vyx pj.kk e Vhdkdj.k vfHk;ku dk;Øe liUu fd;k x;kA ftle 1771 e l dy 1659 Nk=k dk Vhdkdj.k fd;k x;kA ftl dk ifr'kr 94 jgkA

fo|ky; d çkpk; Jh 'kyæ dekj nhf{kr rFkk fo|ky; ifjokj }kjk fpfdRlk foHkkx dk mRd"V lok d fy; lEekfur fd;k x;kA

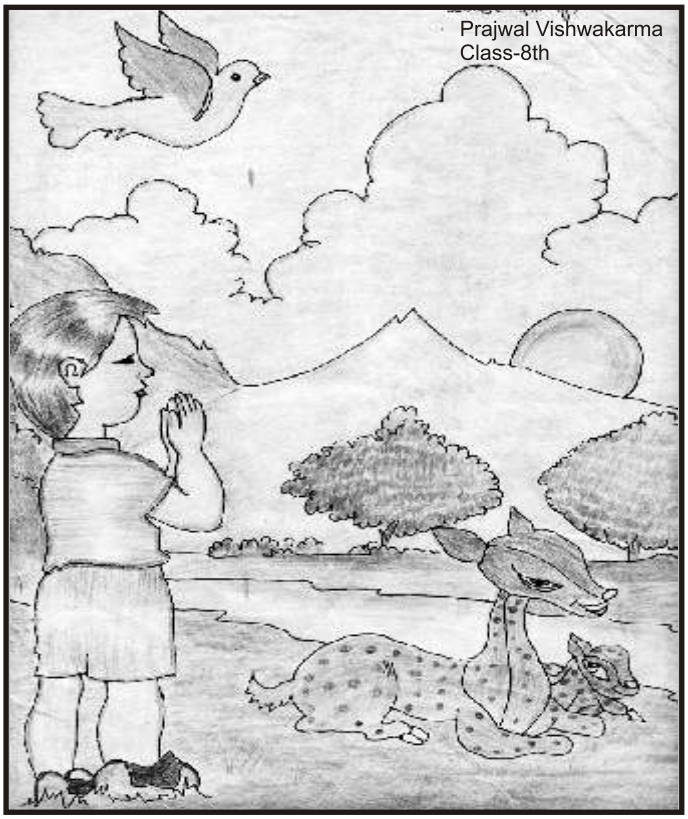

नवांकुर विद्यापीठ में छात्राओं के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया

vkt Nk=kvk dk dÃ çdkj dh ij'kkfu;k dk lkeuk djuk iMrk g bl leL;k dk lek/kku dju d fy, ,d lfeukj dk vk;kstu uokdj fo|kihB e fd;k x;k ft lee[; vfrfFk d :i e Jherh Hkkouk tu Jherh rflr j?ko'kh o dekjh fyoh tu mifLFkr FkhA lfeukj e fo|ky; dh mPprj ekè;fed foHkkx dh lHkh Nk=kvk u Hkkx fy;kA Jherh Hkkouk tuuviu lck/ku e Nk=kvk dk ukjh l'kfädj.k d ckj e crk;kA ogh Jherh rflr j?ko'kh u Nk=kvk dk è;ku d ckj e tkudkjh nhA dekjh fyoh tuuviu lckèku e Nk=kvk dk lk'ky ehfM;k d ckj e foLrkj l crk;kA fo|ky; dh f'kf{kdk Jherh ju JhokLro o Jherh oUnuk

Hkkxo Hkh bl lfeukj e mifLFkr jghA lfeukj e Nk=kvk u e[; vfrfFk;k l dN ç'u Hkh iN ftud mÙkj ndj vfrfFk;k u Nk=kvk dh 'kdkvk dk lekèkku fd;kA

नवांकुर-डॉल्फिन में योगदिवस धूमधाम से मनाया गया

jk"Vh; lok ;ktuk] uokdj bdkb d rRok/kku e prFk vrjk"Vh; ;kx fnol /ke/kke l euk;k x;kA fo|ky; d ØhMk iHkkjh Jh fot ; 'kek d }kjk Nk=&Nk=kvk dk ik.kk;ke] l; ueLdkj] diky Hkkfr] vuyke&ifryke rFkk fofHkUu idkj d ;kxklu tl&oTkklu] ineklu] mRrkuiknklu] rkMklu] gyklu] e;jklu] pØklu vkfn dk vH;kl djk;k x;kA ble yxHkx 120 Nk=&Nk=kvk u mRlkgiod Hkkx fy;kA ikjHk e ljLorh itu dk dk;Øe lEiUu gvkA Jhfot ; 'kek d }kjk Nk=&Nk=kvk dk ;kx d fofHkUu ykHkk o ;kx djr le; lko/kkfu;k cjru d ckj e crk;k x;kA bl volj ij jkl;k iHkkjh Jh 'kEHk flg j?ko'kh rFkk ckfydk bdkb iHkkjh l Jh onuk Hkkxo lfgr fo|ky; d v/;kidx.k mifLFkr FkA

नवांकुर विद्यापीठ-झलकियाँ

गतिविधियाँ

नवांकुर में धूमधाम से युवा दिवस का आयोजन किया गया

uokdj fo|kihB e jk"Vh; lok ;kstuk d çj.kksr Lokeh foodkun dk tUefnu ;ok fnol d :i e euk;k x;kA bl volj ij fo|ky; dh Nk=k eLdku j?ko'kh d{kk 9 o d- iyd luh d{kk 10 u viu fopkj 0;ä fd,A jk"Vh; lok ;kstuk d çHkkjh 'kHkÇlg j?ko'kh u Lokeh foodkun th d thou pfj= ij çdk'k MkykA jk- l- ;k- dh ckfydk bdkÃ çHkkjh Jherh onuk Hkkxo u Hkh bl fopkj xk"Bh e viu fopkj 0;ä fd,A fo|ky; e bl volj ij l;ueLdkj dk vk;kstu Hkh fd;k x;k ftle cMh l[;k e Nk=&Nk=kvk u mRlkg lfgr Hkkx fy;kA

डॉल्फिन की छात्रा कु. जया एवं निहारिका का प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

26oh cky foKku dkxl dk jkT;Lrjh; vk;kstu fnukd 02 l 04 fnlEcj rd Hkkiky d iVy xi vkQ bLVhV;V] jkrhcM e fd;k x;kA tgk MkfYQu dh Nk=k d- t;k Jhokl i=h Jh pUngkl Jhokl d{kk 9 u ^^efgykvk e ik"kd rRok dh deh l mRiUu gku okyh fLFkfr;k dk iHkko vkj ic/ku** fo"k; ij viuk ikstDV iLrr fd;kA bl ikstDV dk p;u jk"Vh; Lrj d fy, fd;k x;k gA t;k d ny e d- fugkfjdk ikBd lfEefyr gA

d- t;k Jhokl dh miyfC/k e f'kf{kdk Jherh bUn feJk dk ljkguh; ;xnku g] ftUgku Nk=k dk egRoi.k ekxn'ku inku fd;kA nkuk Nk=kvk dk iek.k i= vkj ct inku fd; x;A

jk"Vh; Lrj ij cky foKku dkxl dk vk;kstu fnukd 27 fnlEcj l mMhlk d Hkou'oj e fd;k x;k] tgk MkfYQu dh Nk=k d- t;k Jhokl viu ikstDV d lkFk e/;in'k dk ifrfuf/kRo fd;kA

श्री रामकथा महोत्सव में नवांकुर के छात्रों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये

Jh jkedFkk egkRlo ,o jke njckj LFkkiuk lekjkg d volj ij uokdj fo|kihB d Nk=@Nk=kvk }kjk lkLdfrd ,o /kkfed dk;Øek dk iLrfrdj.k fd;k x;kA bud dk;Øek dh mifLFkr n'kdk }kjk Hkjij ljkguk dh xbA ije iT; egr Jh R;kxh th egkjkt o uxjikfydk v/;{k Jherh e/kfydk vxoky d }kjk nhi iTToyu dj dk;Øe dk 'kHkkjHk fd;k x;kA fo|ky; d ikpk; Jh 'kyUn nhf{kr u R;kxh th dk Lokxr fd;kA bl volj ij vk;kftr lkLdfrd o /kkfed fu'kk d vrxr 10 eukgkjh dk;Øe iLrr fd; x;] ftue dBiryh jkek;.k] o{kkjki.k ij vk/kkfjr ed vfHku; o e;j uR; dk 'kkunkj in'ku fd;k x;kA dk;Øek dh iLrfr n[kdj n'kdx.k e=eX/k gk mB vkj mUgku dk;Øe dh Hkfj&Hkfj i'klk dhA bl nkjku ikRlkgu jkf'k d :i e 14430@& #- ikIr g,A R;kxh th egkjkt u 11000@& #- dh ikRlkgu jkf'k inku dhA fo|ky; d v/;kid Jh lnhi jkor u dk;Øe dk lpkyu fd;kA

गतिविधियाँ

नवांकुर संगीत विद्यालय में संगीत की क्रियात्मक परीक्षा सम्पन्न

uokdj lxhr fo|ky; e fØ;kRed ijh{kk lEiUu gb] ftle uokdj lxhr fo|ky; d 138 Nk=@Nk=kvk u viuh ifrHkk dk in'ku fd;kA mDr ijh{kk Vhdex< l Ik/kkj Jh f'k[kjpUn tu d ekxn'ku e lEiUu djk;h xbA

iFke o"k d Nk=k u jkx ;eu] Hkikyh fogkx] [kekt ,o Hkjo dh vkd"k.k mRiUu dju okyh cfn'k NkV [;ky e iLrr dhA f}rh; o"k d Nk=k u jkx vklkojh e cMk [;ky] jkx oUnkouh lkjx e /kin ,o Hkjoh] Hkheiykl h] nxk ,o n'k e NkV [;ky dh iLrfr;k ndj rku o vkyki e vkun cjlk rrh; o"k d Nk=k u jkx ekydkl ,o dnkj e cMk o NkVk [;ky ,o rjkuk d lkFk jkx gehj] tkuijh] ihy ,o dkfyxMk e NkVk [;ky rku o vkyki lfgr lnj <x l iLrr fd;kA prFk] ipe ,o iHkkdj d Nk=k }kjk jkx t;&t;oUrh] nldkj e cMk [;ky] /kin ,o /kekj] jkx njckjh e cMk [;ky] /kin ,o jkx t;&t;orh e /kekj ,o vU; jkxk NkVk [;ky rFkk jkx jkx'ojh] nlh fe;k eYgkj e cMk o NkVk [;ky] /kin /kekj ,o vU; jkxk e NkVk [;ky Bejh] xty] Hktu ,o xhrk dk lUnj o vkd"kd iLrfrdj.k fd;kA rcyk oknu e iFke o"k l rrh; o"k d Nk=k u

rky rhu rky] >i rky ,o ,d rky e i'kdkjk] ij.k ,o VdM d lkFk dk;nk ,o iyV dh lUnj iLrfr;k nhA prFk] ipe ,o iHkkdj d Nk=k u >irky] ,drky] pkrky] nhipUnh] vkMk pkrky e ij.k] i'kdkjk VdM d lkFk dk;nk ,o iYkV dh 'kkunkj lQkb d lkFk rCkyk oknu fd;kA

mYYk[kuh; g fd foxr 15 o"kk l uokdj lxhr fo|ky; uxj e lpkfyr g] ftle u doy uokdj d fo|kFkh vfir vU; 'k{kf.kd lLFkkvk d fo|kFkh lxhr f'k{kk xg.k dj jg gA ifro"k xh"edky e ikr% 8 l 11 ct rd ,o vU; fnuk e lk; 5 l 7 ct rd lxhr fo|ky; d vkpk;x.k jkefd'ku jkBkj] ed'k 'kek rFkk d onuk Hkkxo u viuk lg;kx inku fd;kA

नवांकुर के भ्रमण दलने विज्ञान भवन का अवलोकन किया

uokdj fo|kihB dk 64 lnL;h; Hke.k ny Hkkiky Hke.k dj okil ykV vk;k gA bl ny e 22 Nk= rFkk 34 Nk=k, lfEefyr FkA bl ny u Hkkiky d foKku Hkou e 3&Mh eoh n[kh rFkk rkjkeMy] eftd fejj rFkk oKkfud çfr:i vkfn dk voykdu fd;kA ihiYl eky e fLFkr ,frgkfld Lekjdk d ifr#i rktegy] yky fdyk vkfn Lekjdk d çk:i o fQYe flVh dk n[kkA ;g Hke.k ny okil ykV vk;k gA bl ny e uokdj fo|ky; ifjokj d vkpk;x.k Jh lnhi jkor] Jh fot ; 'kek] Jh lnhi ukjk;.k tVyh] Jh vfouk'k Mkxj rFkk f'kf{kdk Jherh uhr'k j?ko'kho Jherh xfjek nhf{kr vkfn Hkh lfEefyr FkA Nk=&Nk=kvk u Hke.k d nkjku vud egRro i.k tkudkfj;k çkIr dhA

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नवांकुर के छात्रों ने मतदान जागरूकता का दिया संदेश

fnukd 16@11@18 dh 'kke dk uokdj fo|kihB] xt ckl knk dh jk"Vh; lok ;kt uk bdkÃ d }kjk ernku tkx:drk d ln'k dk ydj LFkkuh; ug: pkd] jyo LV'ku d ikl vkj LFkkuh; t;LrHk pkd ij cPpk u 'kkunkj uôM ukVd o ernku tkx#drk xhr çLrr fd; ft l n[k dj mifLFkr tu Hkko&foHkkj gkdj Hkfj&Hkfj ç'kl k dju yxA bl uôM ukVd e 20 çfrHkkfx;k u vfHku; fd;k] tcfd 7 fo|kFkÊ ikÜo Hkfedk e FkA ukxfjdk u uokdj d bl i;kl dh [ky eu l ljkguk dhA

bl volj ij uokdj d ikpk; Jh 'kyUn dekj nhf{kr o vU; f'k{kdx.k Hkh mifLFkr FkA

बालदिवस पर नवांकुर में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

uokdj fo|kihB e ckyfnol d miy{; e jk"Vh; lok ;ktuk d rRokoèkku e lkLdfrd dk;Øek vkj jxkyh çfr;kfxrk dk vk;ktu fd;k x;kA

bl voljij d{kk 9 l d{kk 12 rd d Nk=&Nk=kvk u vud jx&fcjx vkj euekgd dk;Øek dk çLrr fd;kA jxkyh ifr;kfxrk e ernkrk tkx:drk] cVh cpkvk vfHk;ku] LoPN Hkkjr vfHk;ku rFkk ckyfnol ij vkèkkfjr euHkkou jxkfy;k cukb xbA ftle d{kk 9 dh d- ru jktir u çFke] d- den iky u f}rh; rFkk d- HkkX;Jh ykèkh u rrh;] d{kk 10 e d- dede d'kokg u çFke] d- vfdrk j?ko'kh u f}rh; dekjh vfdrk jkBkj u rrh;A blh çdkj d{kk 11 edekjh vueky pkjfl;k u çFke] dekjh vkdfr nkxh u f}rh;] dekjh vuHkoh tu u rrh; rFkk d{kk 12 e dekjh egd tu u çFke] dekjh xty 'kek u f}rh; rFkk dekjh J;k f'kj<k.kdj u rrh; LFkku çkIr fd;kA lHkh fotrkvk dk çek.k i= vkj ijLdkj çnku fd, x,A Nk=k dh jxkyh çfr;kfxrk e fo'kky vxoky u çFke] fuf[ky JhokLro u f}rh; rFkk oHko ifjgkj u rrh; LFkku çkIr fd;kA

bl volj ij jk"Vh; lok ;ktuk çHkkjh Jh 'kHkç lg j?ko'kh vkj Jherh onuk nc d ekxn'ku e ;g dk;Øe liUu gvkA bl volj ij uokdj fo|ky; ifjokj d gkÃLdy o gk;jldMjh d lHkh f'k{kd&f'kf{kdk, Hkh mifLFkr FkA

गतिविधियाँ

विद्यालय परिसर और आसपास की सफाई करके नवांकुर में मनाई गई गाँधी जयंती

LFkkuh; lLFkk uokdj mPpprj ekè;fed fo|ky; dh jk"Vh; Lkok ;kstuk bdkÃ ,o M,fYQu d uUg&eUu Nk=k }kjk fo|ky; ifjlj ,o vklikl dh xfy;k dh lkQ&lQkÃ djd lok dk; fd;k x;kA

lLFkk d çkpk; Jh 'kyæ nhf{kr] ofj"B vkpk; Jh ih-,l-jktir] Jh d'ko ykgkjh d vkfrF; e loçFke ek ljLorh egkRek xkèkh ykycgknj 'kkL=h th ,o lLFkk d çj.kkri#"k Jh fot; f'kj<k.kdj th d fp=k d le{k nhi çTToyu ,o ekY;ki.k }kjk fofèkor dk;Øe dk 'kHkkjHk fd;k x;kA

dk;Øe nk pj.kk e fd;k x;kA çFke pj.k d vUrxr ckf)d dk;Øe d vrxr egkRek xk/kh o ykycgknj 'kkL=h d tUefnol ij mud thou l Nk=k&Nk=kvkdk voxr djku d fy; i'uep dk vk;ktu fd;k x;k] fo|ky; d f'k{kdk u egkRek xk/kh o yky cgknj 'kkL=h d thou dh ij.kknk;d ?kVuk, lukb ,o f}rh; pj.k e ifjlj ,o vklikl dh LoPNrk dk;Øe e jk"Vh; lok ;kstuk dh ckyd bdkÃ ,o ckfydk bdkÃ d Lo;lodk dk vfHke[kdj.k dk;Øe fd;k x;kA ftle jkl;k d mí'; ,o xfrfofèk;k ij çdk'k Mkyk x;kA

jkl;k dh Nk=k, [k'kh uek o r#.k Bkdj u ep lpkyu fd;k A

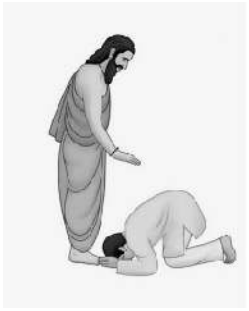

गुरु

कभी डाँट-डपट कर प्यार जताया।
कभी रोक-टोक कर चलना सिखाया।
कभी काली स्लेट पर चॉक से,
उज्ज्वल भविष्य का सूरज उगाया।
कभी ढाल बनकर हर मुश्किल से बचाया।
कभी हक के लिए लड़ना सिखाया।
कभी गलती बताकर, कभी गलती छुपाकर,
एक सच्चे गुरु का फर्ज निभाया।
कभी माता-पिता बन दी सलाह,
कभी दोस्त बन हौंसला बढ़ाया।
आज कहते हैं उन टीचर्स को थैंक्यू।
जिन्होंने हमें इस काबिल बनाया।

– **जेनब बी**, कक्षा-12 (बायोलॉजी)

गतिविधियाँ

नवांकुर में शिक्षकों के लिये स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

vkt dy vfr0;Lrrk d le; e ukxfjd viu LokLF; o [kku&iku ij /;ku ugh n ik jg g]ft ll fQVul dk Lrj Hkh fujUrj fxjrk tk jgk gA ge 0;Lrrk d ekgky e viu dRr0; ikyu e lyXu jgr g, viu vkidk dl pLr&n#Lr j[k ldr gA bu lHkh ckrk dk ekxn'ku nu d fy; uokdj fo|kihB e ÞfMokbu oyul lVjß fey jkM xtckl knk d rRokoèkku e LokLF; tkx:drk dk;Øe dk vk;ktu fd;k x;k] ftle lVj l ièkkj vfrFkx.k dkpt l Jh lk{kh [kMyoky] l Jh lxhrk [kMyoky] Jh nhid [kMyoky] Jherh leh{kk [kMyoky] Jherh ekuk [kMyoky] Jh vfuy d'kokg] Jh çhre j?ko'kh u uokdj ifjokj d lnL;k dh otu o ÅpkÃ dk eki fy;kA pLr&n#Lr jgu d rjhd crk, rFkk d;ku d ekè;e l iF;&viF; Hkktu lkexh d ckj e crk;kA

vfrFk;k u uokdj d çkpk; Jh 'kyædekj nhf{krth dk Lefr fpUg HkV djd lEekfur Hkh fd;kA uokdj fo|kihB fo|ky; ifjokj u lVj d lHkh vfrFk;k dh Hkfj&Hkfj ç'kl k djr g, mudk vkHkkj 0;ä fd;kA

रा.से.यो. नवांकुर इकाई ने रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया

i/kkue=h ujUn eknh d vkgoku ij uxjikfydk xtckLknk d rRoko/kku e jk"Vh; lok ;ktuk uokdj bdkb d Lo;lodk }kjk LoPNrk dk ln'k nu dfy; cjB jkM ij ,d jyh dk vk;ktu fd;k x;k rFkk jyh e uxjikfydk xtckLknk }kjk iEiyVl dk forj.k fd;k x;kA

bl volj ij xtckLknk uxjikfydk v/;{k ekuuh;k Jherh e/kfydk vxoky] [kk| ,o LokLF; vf/kdkjh Jh vkj- d- uek] Jh eukt 'kek Hkh jyh e lfEefyr g, vkj Lo;lodk dk mRlkgo/ku fd;kA bl nkjku fo|ky; ifjlj o vkl ikl d LFkkuk dh lQkÃ dh xÃ rFkk lykfLVd lkexh dk u"V fd;k x;kA jk"Vh; lok ;ktuk çHkkjh Jh 'kHk çlg j?ko'kh u ykxk dk viu ?kj o vkl&ikl lkQ lFkjk j[ku dh fgnk;r nhA Lo;lodk }kjk ykxk l lkQ&lQkÃ j[ku dk ldYi djok;k x;kA

mYy[kuh; g fd fiNy fnuk Hkh uokdj d Lo;lodk u okM&8 e ?kj&?kj tkdj ykxk dk LoPNrk dk Lkn'k fn;k Fkk] ftldh ukxfjdk u ljkguk dh FkhA

v/;kid lnhi jkor u jyh d lekiu d volj ij vfrfFk;k d ifr vkHkkj 0;Dr fd;kA

रोचक जानकारी

भारतीय वैज्ञानिक खोजें

1. **आर्यभट्ट - 476ई. कुसुमपुर (पाटलिपुत्र)**

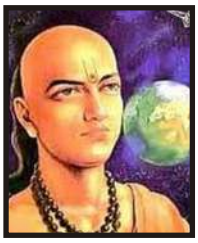

महान खगोलशास्त्री व गणितज्ञ थे। सूर्य व चंद्रग्रहण की व्याख्या धरती अपनी धुरी पर घूमती है। भारतीय वैज्ञानिक आर्यभट्ट ने शून्य का अविष्कार किया था।

2. **एपीजे कलाम - सन् 1931, रामेश्वरम्**

रक्षा और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में देश के लिए अहम योगदान दिया। बैलेस्टिक मिसाइल व मिसाइल मेन के नाम से विख्यात हुए।

3. **हरगोविन्द खुराना - 1992, रायपुर (मुल्तान)**

ऐमिनो अम्ल की संरचना, आनुवांशिक रोग, साथ ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

4. **जगदीश चंद्र बोस** - महान वैज्ञानिक बोस ने रेडियो तरंग पर विस्तृत शोध किया व पता लगाया कि पौधों में भी जीवन होता है।

5. **होमी जहाँगीर भाभा** - 1909 ई., भारतीय परमाणु उर्जा कार्यक्रम के स्वप्नदृष्टा। नाभिकीय ऊर्जा से विद्युत उत्पादन की कल्पना। प्रथम परमाणु परीक्षण का नेतृत्व किया।

6. **चंद्रशेखर वेंकट रमन** - प्रकाश तरंगों के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित। इन्हें रमन प्रभाव के नाम से जाना जाता है। ब्लॅक हॉल थ्योरी को सुझाया। चंद्रशेखर लिमिट उनके नाम पर है।

- **साधना विश्वकर्मा**, कक्षा 12 (जीवविज्ञान)

शरीर और स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

शरीर व स्वास्थ्य से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें है जिन पर अगर हम ध्यान न दें तो हमें बुढ़ापे में कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। वे बातें इस प्रकार हैं-

शरीर में कई बार पानी की कमी हो जाती है, इससे बचने के लिए हमको नियमित रूप से पानी पीना चाहिए। जैसे -

- प्रात:काल उठकर एक गिलास पानी पीना चाहिए।
- दिन में हर एक घंटे में आधा-एक गिलास पानी पीना चाहिए।
- रात को सोते समय एक गिलास पानी पीना चाहिए।

पाचन क्रिया सुधारने के लिए हमको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए -

- खाना खाने के आधे घंटे पहले एक गिलास पानी पीना चाहिए।
- खाना खाते समय या खाना खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए।
- खाना खाने के आधे घंटे बाद पानी पीना चाहिए।
- खाना खाने के बाद अगर हम आधा गिलास मठा पीयें तो हमारी पाचन क्रिया में वृद्धि होती है।
- संध्याकाल के समय 5 बजे के बाद पूर्ण रूप से भरपेट खाना नहीं खाना चाहिए, क्योंकि शाम 5 बजे के बाद हमारी पाचन क्रिया में कमी आ जाती है।
- बैठते समय हमको अपनी रीढ की हड्डी पर अधिक ध्यान देना चाहिए। क्योंकि 40 की उम्र के बाद यही हमारी सबसे बड़ी समस्या बन जाती है। इसके लिए हमें बैठते समय कभी भी झुक कर नहीं बैठना चाहिए और कभी किसी वस्तु के सहारे टिक कर नहीं बैठना चाहिए।
- आज कल घुटनों का दर्द भी बहुत बढ़ गया है, जिससे बचने के कुछ उपाय इस प्रकार हैं -
- कभी भी खड़े होकर पानी नहीं पीना चाहिए। बल्कि बैठकर पानी पीना चाहिए।
- कभी भी घुटनों पर तेज सिकाई नहीं करना चाहिए।

- **रजत जैन,** कक्षा-12 (गणित)

रोचक जानकारी

प्रश्न बैंक

प्र.1 भारतीय नगरों को ईंधन आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा प्रदेश है?

उ. मध्यप्रदेश

प्र.2 भारत कि किस शहर के बाहरी छोर पर भारी पेट्रो-रसायन उद्योगों का जमाव है?

उ. बड़ोदरा

प्र.3 भारत में समुद्री ज्वार से बिजली बनाने का कारखाना है?

उ. कच्छ की खाड़ी

प्र.4 तेल और ईंधन के लिए बड़े पैमाने पर जिस वृक्ष को गाँव में लगाया जा रहा है?

उ. यूकेलिप्टस

प्र.5 नदियों का आश्रय समुद्र की भाँति शरीर को वहन करने वाले आश्रय स्थल को कहते हैं?

उ. हृदय

प्र.6 सत्यमेव जयते किस ग्रंथ से लिया गया है?

उ. मुंडकोपनिषद् से।

प्र.7 किसी राष्ट्र की उन्नति होती है?

उ. व्यक्तियों के उज्ज्वल चरित्र से।

प्र.8 भारतीय संस्कृति का बाह्य स्वरूप है?

उ. सभ्यता।

प्र.9 परिस्थिति को भाँपकर प्रतीक्षा करने की क्षमता को कहते हैं?

उ. धैर्य

प्र.10 सबसे बड़ा प्रायश्चित होता है?

उ. अपनी भूल को स्वीकार करना।

प्र.11 प्रमुख रूप से मनुष्य को सफल बनाते हैं?

उ. श्रेष्ठ विचार।

प्र.12 युद्ध में जीतने के लिए प्रमुख रूप से आवश्यक है?

उ. योद्धा का आत्मविश्वास।

प्र.13 हम जिस काम में जितना रस लेते हैं और मनोयोग लगाते हैं, वह उतना ही अधिक आनंददायक बन जाता है। कथन है-

उ. अब्राहम लिंकन का।

प्र.14 अपने लिए तो सभी जीते हैं, जरा दूसरों के लिए जीकर तो देखो कितना आनंद आता है। कथन है?

उ. विवेकानंद का।

प्र. संसार के दु:खों से परित्राण पाने के लिए मनुष्य को सदैव आवश्यकता रही है-

उ. ज्ञान की।

– **आकृति रघुवंशी**, कक्षा-12 (बायोलॉजी)

Inspiring quotes

- Imagination is more important than knowledge.
- Science without religion is lame, Religion without science is blind.
- Weakness of attitude becomes weakness of character.
- I want to know God's thoughts; the rest are details.
- I never think of the future. It comes soon enough.
- Common sense is the collection of prejudices acquired by age eighteen.
- Scienc is a wonderful thing if one does not have to earn one's living at it.
- Any intelligent fool can makes things bigger, more complex and more violent. It takes a touch of genious and a lot of covrage - to move in the opposite direction.
- The reality is merely an illision. albeit a very persistent one.
- The only real valuable thing is intution.

- Shraddha Vishwakarma, 12th (Bio)

बच्चों की कलम

प्रेरक प्रसंग

एक बार स्वामी विवकानंद के आश्रम में एक व्यक्ति आया, जो देखने में बहुत दु:खी लग रहा था। वह व्यक्ति आते ही स्वामी जी के चरणों में गिर पड़ा और बोला कि महाराज मैं अपने जीवन से बहुत दु:खी हूँ। मैं अपने दैनिक जीवन में बहुत दु:खी हूँ, मेहनत करता हूँ, काफी लग्न से भी काम करता हूँ लेकिन कभी भी सफल नहीं हो पाया। भगवान ने मुझे ऐसा नसीब क्यों दिया है कि मैं पढ़ा लिखा और मेहनती होते हुए भी कभी कामयाब नहीं हो पाया हूँ? धनवान नहीं हो पाया हूँ।

स्वामी जी उस व्यक्ति को परेशानी को पलभर में ही समझ गए। उन दिनों स्वामी जी के पास एक छोटा-सा पालतू कुत्ता था, उन्होंने उस व्यक्ति से कहा - तुम कुछ दूर जरा मेरे कुत्ते को सैर करा लाओ फिर मैं तुम्हारे सवाल का जबाव दूँगा।

आदमी ने बड़े आश्चर्य से स्वामी जी की ओर देख और फिर कुत्ते को लेकर कुछ दूर निकल पड़ा। काफी देर तक अच्छी खासी सैर कराकर जब वो व्यक्ति वापिस स्वामी जी के पास पहुँचा तो स्वामी जी ने देखा कि उस व्यक्ति का चेहरा अभी भी चमक रहा था, जबकि कुत्ता हाँफ रहा था और बहुत थका हुआ लग रहा था। स्वामी जी ने उस व्यक्ति से कहा कि ये कुत्ता इतना ज्यादा कैसे थक गया जबकि तुम तो अभी भी साफ-सुथरे दिख रहे हो, तो व्यक्ति ने कहा कि मैं तो सीधा-साधा अपने रास्ते पे चल रहा था, लेकिन ये कुत्ता गली के सारे कुत्तों के पीछे भाग रहा था और लड़कर फिर मेरे पास वापिस आ जाता था। हम दोनों ने एक-सा रास्ता तय किया लेकिन फिर भी इस कुत्ते ने मेरे से कहीं ज्यादा दौड़ लगाई। इसीलिए ये थक गया है।

स्वामी जी ने मुस्कुराकर कहा - यही तुम्हारे सभी प्रश्नों का जबाव है, तुम्हारी मंजिल तुम्हारे आसपास ही है, वो ज्यादा दूर नहीं है लेकिन तुम मंजिल पे जाने के बजाय दूसरे लोगों के पीछे भागते रहते हो और अपनी मंजिल से दूर होते चले जाते हो।

मित्रों! यही बात हमारे दैनिक जीवन पर भी लागू होती है, हम लोग हमेशा दूसरों का पीछा करते रहते हैं कि वो डॉक्टर है तो मुझे भी डॉक्टर बनना है। वो इंजीनियर है तो मुझे भी इंजीनियर बनना है। वो ज्यादा पैसे कमा रहा है तो मुझे भी कमाना है। बस इसी सोच की वजह से हम अपने टेलेंट को खो देते हैं और जीवन एक संघर्ष बनकर रह जाता है। तो मित्रों, अपना तय करो और उसे पाने का प्रयास करो। आप जरूर सफल होगे।

- **तनु ठाकुर**, कक्षा 12 (एम-1)

My favorite school

My school has a great fame
and a worthy aim.
It always brightly shines,
In discipline, it never lays behind.
We have a principal fine,
Laborious and in nature divine.
All my teachers are wise
Polite in nature and highly qualified.
For all the schools on earth
You are the school for me.
Oh! Navankur you are dear to me.

Bhoomi Shrivastava, 12th (EM)

सोचो और विचार करो !

छोड़ नींबू पानी तज दूध दही मट्ठा घृत,
माजा कोक लिम्का के गीत हम गा रहे।
भावैं न सिवैंया शुद्ध माँ के हाथ की बनी औ,
सड़ी गली मैंदा वाली मैगी हम खा रहे।
देश के जवान करें, सीमा की सुरक्षा पर
सोचो मीत धीरे-धीरे कहाँ हम जा रहे?
कर लो स्वदेशी मन देश का बचाओ धन,
आर्थिक गुलामी बंधु काहे हम ला रहे?

-**अक्षय श्रीवास्तव,** कक्षा-12 (गणित)

अपने अमूल्य समय का सदुपयोग करें

नो गेन विदाउट पेन अर्थात संघर्ष के बगैर दुनिया में कुछ भी हासिल नहीं होता है। आज का समय प्रतियोगिताओ का समय है। प्रत्येक क्षेत्र में एक से बढ़कर एक प्रतिभागी अपना भविष्य संवारने में में जुटे हुए हैं। ऐसे समय में आप लोगों को अपनी पढ़ाई, लिखाई एवं अन्य दैनिक कार्यकलापों के लिए अपनी दिनचर्या निर्धारित कर वर्तमान समय का सदुपयोग करना आवश्यक है। मेरे निजी ज्ञान के आधार पर तथा वर्तमान समय के लिए हिसाब से आपके समय के सदुपयोग हेतु निम्न आधारों का निर्धारण मैंने किया है, यदि आप उक्त आधारों पर चलकर अपनी दिनचर्या करते हैं तो निश्चित रूप से आप जिस क्षेत्र में प्रयास करेंगे, सफलता आपके कदम चूमेगी।

अपने सोने और जागने का समय निर्धारित करें, जिस प्रकार अधिक नींद लेना हानिकारक है, उसी प्रकार कम सोना भी नुकसानदेय है। चिकित्सकों के अनुसार व्यक्ति के लिए आठ घंटे की नींद पर्याप्त होती है।

सुबह जल्दी उठकर प्राणायाम (योग) व कसरत करें ताकि पूरे दिन आप तरोताजा रहें एवं आपको थकान या आलस्य की अनुभूति न हो।

विद्यालय में आपको जो पढ़ाया जाए वह सब एक बार घर में मन लगाकर पढ़ें।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार यदि पढ़ते समय कोई बात लिख ली जाए तो वह लंबे समय तक याद रहती है। इसलिए पढ़ते समय लिखकर पढ़ने का प्रयास करें और छोटे-छोटे नोट्स एवं चार्ट तैयार करें।

जिस प्रकार दूदर्शन पर धारावाहिकों में ब्रेक आता है, उसी प्रकार पढ़ाई के बीच में भी कुछ अंतराल पर ब्रेक जरुरी है, जिससे दिमाग व मन शांत एवं सक्रिय रह सके।

पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना जरूरी है। जैसे कि खेलकूद, मनोरंजन आदि।

पढ़ाई के साथ-साथ अपने दोस्तों के लिए भी समय देना आवश्यक है, किन्तु निर्भर करता है कि वे किस विचारधारा के हैं।

सब कुछ अच्छा तभी होगा जब आपका खानपान अच्छा हो। इसलिए आप अपने खानपान पर भी विशेष ध्यान दें। खाने में पोषक तत्वों की अधिकता हो इसके लिए हरी सब्जी और फलों का सेवन अधिक करना चाहिए, जिनसे एन्टी ऑक्सीडेन्ट के साथ आवश्यक मात्रा में सॉल्ट, विटामिन्स और खनिज तत्त्व भी मिलते हैं। इन सबके साथ उचित मात्रा में दूध का सेवन भी आवश्यक है। साथ ही अधिक मात्रा में तरल पदार्थ का उपयोग भी करें। इसस हाजमा दुरुस्त रहता है तथा दिमाग अधिक सक्रिय होता है। आहर विशेषज्ञों के अनुसार दिमाग का लगभग एक-तिहाई भाग फैट होता है। यदि शरीर में पानी कमी हो जाएगी तो दिमाग अच्छी तरह से कार्य नहीं कर पाएगा।

आप में से बहुत से लोग चाय, कॉफी के शौकीन होंगे, चिकित्सकों के अनुसार अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन शरीर के लिए ही नहीं बल्कि दिमाग के लिए भी नुकसान देय है।

हमारे दिमाग को शांत, सक्रिय व तरोताजा बनाने के लिए आवश्यकता यह है कि हम अपने मन में अच्छे विचारों की अनुभूति करें। कितनी भी विकट परिस्थितियाँ क्यों न हों हम हमेशा सक्रिय एवं सकारात्मक रहें। अगर हम कभी हार भी जाएँ तो हमें उस हार की निराशा न हो बल्कि उस हार में छुपी हुई गलतियों को समझकर उन्हें सुधारकर हमें आगे बढ़ते रहें।

– **रजत जैन,** कक्षा-12 (गणित)

लोग कहते हैं

जब कोई अपना
दूर चला जाता है तो
बड़ी तकलीफ होती है।
पर ज्यादा तकलीफ तो
तब होती है, जब कोई अपना
पास होकर भी दूरियां बना लेता है।
माली प्रतिदिन
पौधों को पानी देते हैं मगर
फल सिर्फ मौसम में ही आते हैं।
इसलिए प्रतिदिन बेहतर काम करना चाहिए,
परिणाम समय पर जरूर मिलेगा।
कोशिश आखिरी सांस तक करना चाहिए,
या तो लक्ष्य हासिल होता है या अनुभव।
दोनों चीजें ही अच्छी हैं,
घमंड और पेट
जब ये दोनों बढ़ते हैं,
तब इंसान चाहकर भी
किसी को गले नहीं लगा सकता।

जिस प्रकार नींबू के रस की एक बूँद
हजारों लीटर दूध को बर्बाद कर देती है।
उसी प्रकार मनुष्य का अहंकार भी
भी अच्छे से अच्छे संबंधों को बर्बाद कर देता है।

जिंदगी की बैंक में जब प्यार का बैलेंस
कम हो जाता है,
तब हंसी-खुशी के चैक बाउन्स होने लगते हैं।
इसीलिए हमेशा अपनों के साथ
नजदीकियाँ बनाए रखिए।

रोने से आँसू भी पराए हो जाते हैं,
लेकिन मुस्कुराने से पराए भी अपने हो जाते हैं
मुझे वो रिश्ते पसंद हैं
जिनमें ''मैं'' नहीं ''हम'' हो
इसांनियत दिल में होती है ..... हैसियत में नहीं
ऊपर वाला कर्म देखता है, ...वसीयत नहीं।

लक्ष्मी पूजे धन मिले, गुरु को पूजे ज्ञान।
माँ - बाप को पूजे सब मिले, हो जाए कल्याण।।

माँ वह रोशनी है
जो घर पर साथ रहकर
रास्ता दिखाती है।
पिता वह प्रकाश है
जो दूर रहकर भी
अनुशासन सिखाता है।।

- **शुभम अहिरवार,** कक्षा-11

पकौड़ी

दौड़ी-दौड़ी,
आई पकोड़ी।
छुन-छुन, छुन-छुन
तेल में नाची,
प्लेट में आ
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी,
आई पकौड़ी।
हाथ से उछली
मुँह में पहुँची
पेट में जा
घबराई पकौड़ी।

मेरे मन को
भाई पकौड़ी।
दौड़ी-दौड़ी,
आई पकोड़ी।

- **स्वाति पटेरिया,** कक्षा-10 (अ)

बच्चों की कलम से

मत ठहरो तुमको चलना ही चलना है

मत ठहरो, तुमको चलना ही चलना है,
चलने के प्रण से, तुम्हें नहीं टलना है।

केवल गति ही जीवन, विश्रान्ति पतन है,
तुम ठहरे तो समझो ठहरा जीवन है।

जब चलने का व्रत लिया, ठहरना कैसा?
अपने हित सुख की खोज बड़ी छलना है,
मत ठहरो, तुमको चलना ही चलना है।

तुम चलो, जमाना अपने साथ चलाओ,
जो पिछड़ गए हैं, आगे उन्हें बढ़ाओ।
तुमको प्रतीक बनना है, विश्व प्रगति का,
तुमको जन हित के साँचे में ढलना है,
मत ठहरो, तुमको चलना ही चलना है।

जो कुछ करना है, उठो! करो, जुट जाओ,
जीवन का कोइ क्षण, मत व्यर्थ गँवाओ।
कर लिया काम, भज लिया राम, यह सच है,
अवसर खोकर तो, सदा हाथ मलना है।
मत ठहरो, तुमको चलना ही चलना है

बाधाएँ, असफलताएँ तो आती हैं,
दृढ़ निश्चय लख, वे स्वयं चली जाती हैं।
जितने भी रोड़े मिले, उन्हें ठुकराओ,
पथ के काँटों को पैरों से दलना है,
मत ठहरो, तुमको चलना ही चलना है।

– **दीक्षा शर्मा**, कक्षा–12 (वाणिज्य)

कल सपने में आई अम्मा

कल सपने में आई अम्मा,
देर तलक, बतियाई अम्मा।

लाड़ किया, सिर हाथ फेर–कर
अँखियों–भर मुस्काई अम्मा।
डपट, शिकायत, भोला–गुस्सा,
कर थोड़ा, सकुचाई अम्मा।
सपने कोशिश, उम्मीदों की
सदा रही, परछाईं अम्मा।

जीवन के इस गुणा–भाग से,
कभी न घबराई अम्मा।
साँझी–बाती, ठाकुर–द्वारा,
गीत, भजन, चौपाई अम्मा।
ज्वार, बाजरा, मक्की रोटी,
सरसों–सागर, लुनाई अम्मा।
माँ, पृथ्वी सी, सरल सहज थी,
लोक–कथा सी, भायी अम्मा।
ईश्वर का दु:ख, जाने ईश्वर,
हर दु:ख में, मुस्काई अम्मा।

– **मुस्कान सेन,** कक्षा–12 (बायो.)

बच्चों की कलम से

माँ

ज्ञान की गंगा है,
प्यार की जमना है,
सपनों की गुल्लक है,
यादों का गहना है।
थपकी है, प्यार भरी,
लोरी की सरगम है,
आस्था की भोर नई,
श्रद्धा की पूनम है,
बाँहों का झूला है,
आँचल की छाया है,
बारिश है आशीष की,
ममता है माया है.....
पता नहीं, कैसी है,
पता नहीं क्या-क्या है,
ये मेरी माँ है,
हाँ, ये मेरी माँ है।

– **रिमझिम सेन,** कक्षा-10

निहारिका तिवारी (कक्षा-8)

Self composed by Winner of Bal Rang

घर को Home कहते हैं।
House को मकान कहते हैं।
भारत को महान कहते हैं।
महान कहते हैं।

एक देश हो।
एक वेश हो।
भारत प्रतिष्ठावान बने।
सागर जैसी गहराई हो।
हिमालय जैसे उठान बने।
हमारा देश महान बने।
हमारा देश महान बने।
घर को Home कहते हैं
House को मकान कहते हैं
भारत को महान कहते हैं।
महान कहते हैं।
भारत को महिमावान बनायेंगे हम।
शिक्षा के क्षेत्र में भारत को महान बनायेंगे हम।
लिखेंगे हम।
पढ़ेंगे हम।
बढ़ेंगे हम।
बढ़ेंगे हम।
भारत को महान बनायेंगे हम।
घर को Home कहते हैं
House को मकान कहते हैं

Made by - **Smriti Raghuwanshi**, 10th

सम्पादक मण्डल
प्रधान सम्पादक – **सन्दीप रावत**
सहसम्पादक–**सुनील भावसार**

बच्चों की कलम से

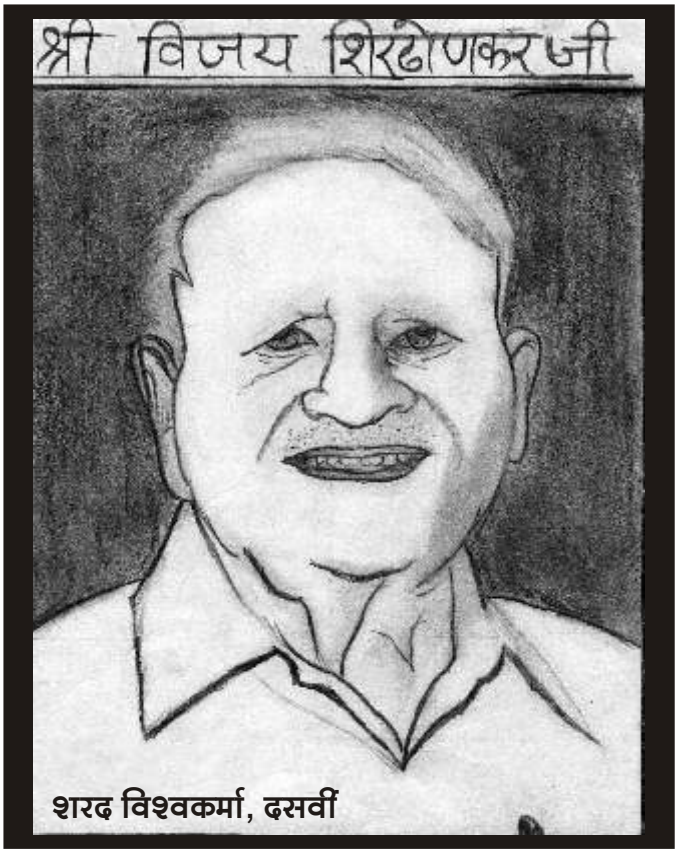

शरद विश्वकर्मा, ढसवीं

सुन्दर पंक्तियाँ

एक डोली चली, एक अर्थी चली.....।।
बातें दोनों में कुछ इस तरह से चलीं,
बोली डोली तुम्हें किसने धोखा दिया,
कहाँ तू चली .....??
चार तुझमें लगे, चार मुझमें लगे (कंधे)
फूल तुझपे सजे, फूल मुझपे सजे,
फर्क इतना ही है, अब सुन ले सखी,
तू पिया को चली, मैं प्रभु को चली.....।।
माँग तेरी भरी, माँग मेरी भरी,
चूड़ी तेरी हरी, चूड़ी मेरी हरी,
फर्क इतना ही है, अब सुन ले सखी....
तू जहाँ को चली, मैं जहाँ से चली....।।
एक सजन तेरा, खुश हो जाऐगा,
एक सजन मेरा, रोएगा,
फर्क इतना ही है, अब सुन ले सखी....
तू विदा हो चली ..... मैं अलविदा हो चली.....।।

– **Vani Rathore, Class-7 (C) Dolphin**

सफलता के पीछे होती है असफलता की कहानी

जब हम किसी सफल व्यक्ति को देखते हैं तो हम केवल उसकी सफलता को देखते हैं, इस सफलता को पाने की कोशिश में वह कितनी बार असफल हुआ, यह कोई नहीं जानता, जबकि असफलता का सामना करे बिना शायद ही कोई सफल होता है। क्योंकि हर असफलता आपको कुछ सिखाती है।

''गिरते हैं शह सवार मैदान-ए-जंग में,
वो तिफ्ल क्या करेगा जो घुटनों के बल चले।''

अंग्रेजी की एक प्रेरक कहावत है **'स्ट्रगल एण्ड शाइन'** यह वाक्य हमें बड़ी शक्ति देता है जिन्दगी में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

कभी-कभी जीवन में मुश्किलें एक के बाद एक साथ आ जाती हैं और हम भ्रमित हो जाते हैं, हम मुश्किलों से घबराएँ नहीं बल्कि सामना करें। रसायन का नियम है जो जिन्दगी भर लागू होता है, जब कोई अणु टूटकर अपनी पूर्व अवस्था में आता है तो वह पहले से अधिक मजबूत हो जाता है। इसी तरह हम भी परेशानी का सामना करने के बाद पहले से अधिक मजबूत हो जाते हैं और जीवन में और भी तरक्की करते हैं।

''मंजिल मिल ही जाएगी, भटकते ही सही, गुमराह तो वो हैं जो घर से निकलते ही नहीं।''

– **जेनब बी**, कक्षा-12 (बायोलॉजी)

बच्चों की कलम

पहेलियाँ

1. किस महीने में लोग सबसे कम सोते हैं?
2. मोर एक ऐसा पछी है, जो अंडे नहीं देता तो उसके बच्चे कैसे होते हैं?
3. वो क्या है जिसे आप बिना छुए तोड़ सकते हैं?
4. एक आदमी अपने हर जन्मदिन पर, एक रूपया जमा करता था जब अपने साठवें जन्मदिन पर उसने पैसे गिने तो केवल पन्द्रह रुपये ही थे। बताओ ऐसा क्यों?
5. सभी खाली स्थान में एक ही शब्द भरो –
   एक गली में ..... बच्चे खेले रहे थे।
   उस गली में से एक ..... औरत गुजरी।
   उस औरत ने हाथ में .....पकड़ी थी।
   ..... बच्चों ने उस ..... औरत की ..... गिरा दी।
6. वो क्या है? जिसे आप एक बार खाकर दोबारा खाना नहीं चाहते। मगर फिर भी खाते हैं।
7. शहद से ज्यादा मीठा है।
   सूरज से ज्यादा गर्म है।
   फकीर के पास है।
   बादशाह को चाहिए।
   जो खाएगा वो मर जायेगा।
   पांचो स्थानों पर एक जैसा ही उत्तर आना है।

उत्तर – (1) फरवरी महीने में (2) क्योंकि अंडे मोरनी देती है (3) विश्वास (4) क्योंकि उसका जन्मदिन 29 फरवरी को आता है। (5) चीनी (6) धोखा (7) कुछ नहीं

माँ की ममता

माँ की ममता करुणा न्यारी,
जैसे दया की चादर।
शक्ति देती नित हम सबको,
बन अमृत की गागर।

साया बनकर साथ निभाती
चोट न लगने देती,
पीड़ा अपने ऊपर ले लेती
सदा-सदा सुख देती।

माँ का आँचल, सब खुशियों का
रंगारंग फुलवारी।
इसके चरणों में जन्नत है,
आनंद की किलकारी।

अद्भुत माँ का रुप सलोना
बिल्कुल रब के जैसा,
प्रेम के सागर सा लहराता,
इसका अपनापन ऐसा।

मेरी प्यारी माँ तू कितनी प्यारी है,
जग है अंधियारा तू उजियारी है।
शहद से मीठी तेरी बातें,
आशीष तेरा जैसे हो बरसात।

डांट तेरी मिर्च से तीखी,
तुझ बिन जिन्दगी है कुछ फीकी,
तेरी आँखों में झलकते प्यार के आँसू,
अब मैं तुझसे मिलने को भी तरसू।
माँ होती है भोली-भाली।
मेरी माँ सबसे प्यारी।

कु. दीपिका बघेल, कक्षा-12 (वाणिज्य)

बच्चों की कलम

माँ का प्यार
जैसे संख्याओं का हार।
पिता की डाँट,
जैसे कूटांक या वर्णांक।
दादी की पूजा,
जैसे आयात की भुजा।
भाई से लड़ाई
जैसे वृत्त की गोलाई
दीदी की यारी,
जैसे सरलतम परिमयगुणकारी।
दादाजी की कहानियों का संग्रह,
जैसे नीलकंठ का तंत्र संग्रह।
टीचर की मार,
जैसे संख्या 1, 2, 3, 4

– **खुशी नेमा**, कक्षा 12 (जीवविज्ञान)

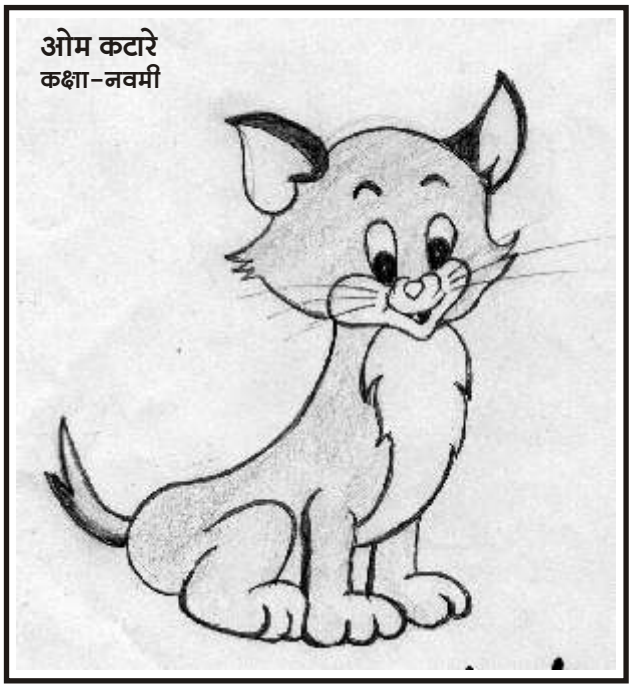

माँ

माँ की ममता ईश्वर का वरदान है,
सच पूछो तो माँ इंसान नहीं भगवान है।

माँ के चरणों में जन्नत का हर रूप होता है,
माँ में ही ईश्वर का हर स्वरूप होता है।

माँ जो हर बच्चे के दिल में चाह होती है,
मुसीबत में एक नई राह होती है।

जो हर किसी के करीब नहीं होता,
जो हर किसी के नसीब नहीं होता।

माँ की अहमियत उनसे पूछो,
जिनकी माँ नहीं होती है।

जो हर बच्चे की जान होती है,
जो हर रिश्ते का मान होती है,
सभी का एकमात्र अरमान होती है।

हर किसी को माँ की ममता मिले,
अपनी माँ से कभी कोई न बिछुड़े
अपनी माँ से यही है एकमात्र दुआ,

उस खुदा से पूछो, जिनकी माँ न हो,
उसे क्या पता कि माँ क्या होती है।
माँ को जानना है तो,
उनसे पूछो जिनकी माँ नहीं होती है।

– **कु. दीपिका बघेल,** कक्षा-12 (वाणिज्य)

कविताएँ

हिन्दुस्तान बनायें हम

मौलिक अधिकारों को पाकर, तनिक भी इतरायें न हम,
कर्त्तव्यों का पालन करके, अपना फर्ज निभायें हम।
स्वच्छ बने यह देश हमारा, सहभागी हम बन जायें,
गाँधी जी के सपनों का इक, हिन्दुस्तान बनायें हम।

कूड़ादान में कचरा डालें, शौच खुले में न जायें,
शौचालय हर घर में हो, ये सबको जाकर समझायें।
गाँव-शहर के गली मुहल्लों में, अभियान चलायें हम,
गाँधी जी के सपनों का इक, हिन्दुस्तान बनायें हम।

कुदरत के अनुपम वरदानों को, अब हम न खोने दें,
जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखें, हम धरा न दूषित होने दें।
पॉलीथिन उपयोग न करें, थैला लेकर जायें हम,
गाँधी जी के सपनों का, इक हिन्दुस्तान बनायें हम।

आओ मिल संकल्प करें, हम फिर कैसी मजबूरी है,
उत्तम स्वास्थ्य के लिए, स्वच्छता सबको बहुत जरुरी है।
अखिल विश्व में भारत की, अद्‌भुत पहचान बनायें हम,
गाँधी जी के सपनों का, इक हिन्दुस्तान बनायें हम।

रचनाकार-**संजय श्रीवास्तव** ''प्रज्ञा''
हास्य-व्यंग्य कवि, गंजबासौदा मो. 9993480568

प्रकृति का अस्तित्व

कर रहे हैं अस्तित्व के लिए
संघर्ष सारे जीव अब,
ना जाने कहां खो गया है
पंछियों का कलरव अब।

बारिशों की बौछार भी
मद्‌धम-सी पड़ गई है,
मिट्‌टी की खुशबू में जबसे
दूषित वस्तुएँ घुलने लगी हैं,
झोंका हवा का साथ लिए है,
जहरीली गैसें हजार
प्रकृति की अनुपम छठा
झेलती प्रतिदिन मानव प्रहार,
गर ना संभले आज भी
मानव यदि तेरे कदम,
मिट जाएगी जल्द ही यह सृष्टि
ना रहेंगे हम ना ही होंगे तुम।

Given By - **श्रीमती इन्दु मिश्रा**, डॉल्फिन स्कूल

INDIA
DOLPHIN
Photo Gallery Dolphin

Photo Gallery Dolphin